दैनिक जागरण

Dainik Jagran, Dehradun Edition Dated: 27/02/2020

पेच दूर हो तो खुलेगा ई-ग्रंथालय

प्रदेश के सभी सरकारी डिग्री कॉलेजों को ई-लाइब्रेरी से जोड़ने की योजना पर काम कर रही सरकार अब नए फार्मूले पर हाथ आजमाने जा रही है। ये है क्लाउड बेस्ड ई-ग्रंथालय। इंटरनेट पर मौजूदा विशाल लाइब्रेरी। ज्ञान के इस विपुल भंडार से जुड़ने के फायदे ही फायदे हैं। स्नातक, स्नातकोत्तर की पढ़ाई के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और शोध कार्यों के लिए उम्दा और अपडेट सामग्री विद्यार्थियों को उपलब्ध होगी। कॉलेजों को लंबा-चौड़ा तामझाम जुटाने का झंझट नहीं है। सरकार सहमत है, पर दो पेच फंसे हैं। प्रत्येक कॉलेज को इससे जुड़ने को 22 हजार रुपये देने होंगे। 105 सरकारी डिग्री कॉलेजों में 60 फीसद से ज्यादा के पास संसाधनों की कमी है। ऐसे कॉलेजों को 22 हजार देने में पसीने छूट रहे हैं। दूसरा मामला इंटरनेट कनेक्टिविटी का है। इसके समाधान का जिम्मा एनआइसी के पास है। दोनों समस्याएं सुलझें तो ई-ग्रंथालय के द्वार भी खुल जाएंगे।